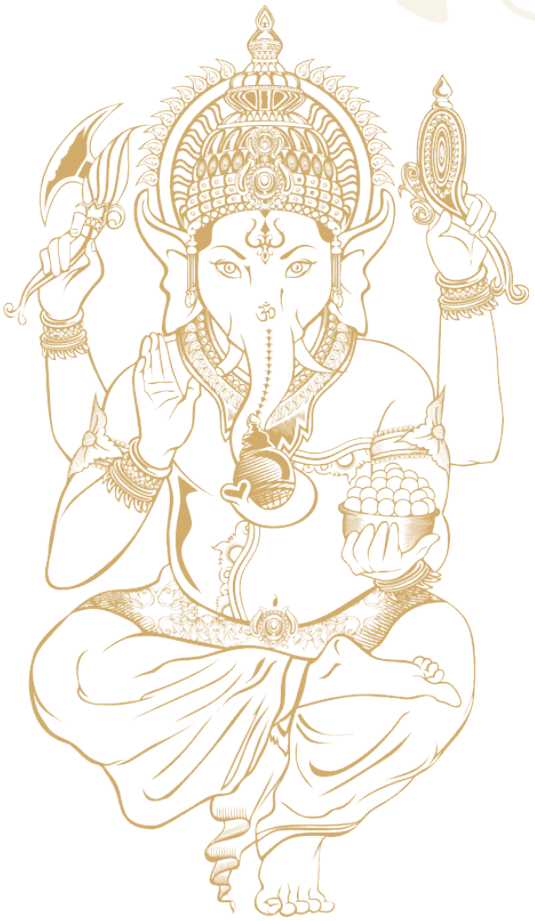

Smt.Manish Bishnoi

04 Dec 1999

06:01 AM

Suratgarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121002303

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**3-04/12/1999**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**06:01:00 घंटे**
इष्ट	57:01:22 घटी
स्थान	**Suratgarh**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	29:19:00 उत्तर
रेखांश	73:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:34:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:26:36 घंटे
वेलान्तर	00:10:24 घंटे
साम्पातिक काल	10:16:10 घंटे
सूर्योदय	07:12:27 घंटे
सूर्यास्त	17:35:35 घंटे
दिनमान	10:23:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	17:32:28 वृश्चिक
लग्न के अंश	01:20:30 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सौभाग्य
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	री-रीतिका
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	01:20:30	305:40:40	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			वृश्चि	17:32:28	01:00:53	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			तुला	04:35:20	12:11:30	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
मंगल			मक	12:04:41	00:46:09	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	उच्च राशि
बुध			तुला	27:19:30	01:04:37	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		मेष	01:38:10	00:03:25	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			तुला	03:54:57	01:09:28	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मूलत्रिकोण
शनि	व		मेष	17:47:05	00:03:51	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	नीच राशि
राहु	व		कर्क	11:29:43	00:09:13	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	11:29:43	00:09:13	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	शत्रु राशि
हर्ष			मक	19:44:21	00:02:02	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	---
नेप			मक	08:26:32	00:01:36	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	16:31:49	00:02:20	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			सिंह	08:11:35	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:06

लग्न-चलित

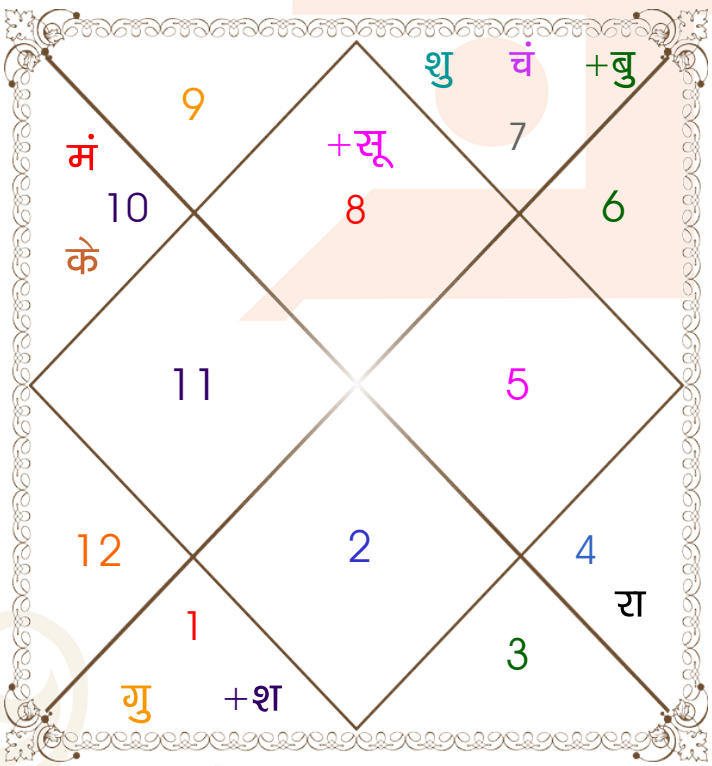

चन्द्र कुंडली

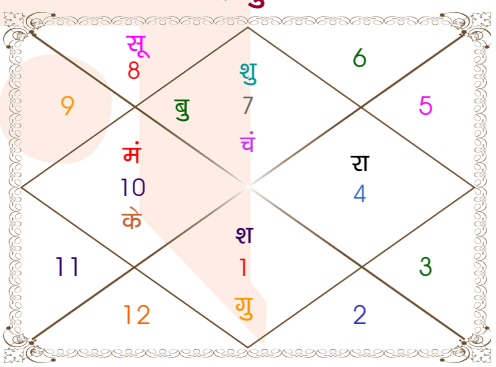

नवमांश कुंडली

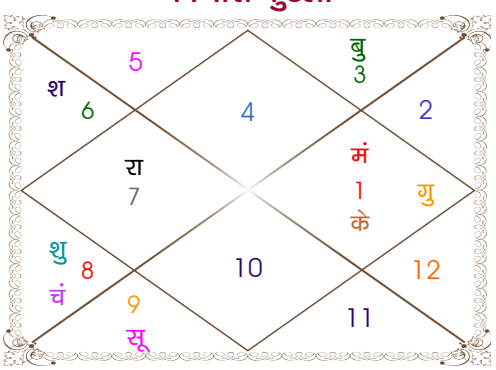

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 1 मास 2 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
04/12/1999		05/01/2001		06/01/2019		06/01/2035		05/01/2054	
05/01/2001		06/01/2019		06/01/2035		05/01/2054		06/01/2071	
	00/00/0000	राहु	18/09/2003	गुरु	23/02/2021	शनि	08/01/2038	बुध	03/06/2056
	00/00/0000	गुरु	11/02/2006	शनि	06/09/2023	बुध	18/09/2040	केतु	31/05/2057
	00/00/0000	शनि	18/12/2008	बुध	12/12/2025	केतु	27/10/2041	शुक्र	31/03/2060
	00/00/0000	बुध	07/07/2011	केतु	18/11/2026	शुक्र	27/12/2044	सूर्य	05/02/2061
	00/00/0000	केतु	25/07/2012	शुक्र	19/07/2029	सूर्य	09/12/2045	चंद्र	07/07/2062
	04/12/1999	शुक्र	26/07/2015	सूर्य	07/05/2030	चंद्र	10/07/2047	मंगल	04/07/2063
शुक्र	30/01/2000	सूर्य	18/06/2016	चंद्र	06/09/2031	मंगल	18/08/2048	राहु	21/01/2066
सूर्य	06/06/2000	चंद्र	18/12/2017	मंगल	12/08/2032	राहु	25/06/2051	गुरु	28/04/2068
चंद्र	05/01/2001	मंगल	06/01/2019	राहु	06/01/2035	गुरु	05/01/2054	शनि	06/01/2071

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
06/01/2071		05/01/2078		05/01/2098		07/01/2104		06/01/2114	
05/01/2078		05/01/2098		07/01/2104		06/01/2114		00/00/0000	
केतु	04/06/2071	शुक्र	07/05/2081	सूर्य	25/04/2098	चंद्र	06/11/2104	मंगल	05/06/2114
शुक्र	03/08/2072	सूर्य	07/05/2082	चंद्र	25/10/2098	मंगल	07/06/2105	राहु	23/06/2115
सूर्य	09/12/2072	चंद्र	06/01/2084	मंगल	01/03/2099	राहु	07/12/2106	गुरु	29/05/2116
चंद्र	10/07/2073	मंगल	07/03/2085	राहु	24/01/2100	गुरु	07/04/2108	शनि	08/07/2117
मंगल	06/12/2073	राहु	07/03/2088	गुरु	12/11/2100	शनि	07/11/2109	बुध	05/07/2118
राहु	24/12/2074	गुरु	06/11/2090	शनि	25/10/2101	बुध	08/04/2111	केतु	01/12/2118
गुरु	30/11/2075	शनि	05/01/2094	बुध	01/09/2102	केतु	07/11/2111	शुक्र	05/12/2119
शनि	08/01/2077	बुध	05/11/2096	केतु	07/01/2103	शुक्र	08/07/2113		00/00/0000
बुध	05/01/2078	केतु	05/01/2098	शुक्र	07/01/2104	सूर्य	06/01/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 1 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकती हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकती हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगी जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखती हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझती हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगी। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगी। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगी। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करती रही तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करती हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहती है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपने पति के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगी। यद्यपि आप अपने पति के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगी। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगी। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करती हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन साथी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों का लड़का आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगा।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगी। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहती हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करती हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होती हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटी हो जाएंगी। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति की होंगी।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगी। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकती हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।